R.N.i.NO.
UPHIN/2008/
29355
डाक पंजीकन
संख्या KANPUR
Cty 328/2012

दैनिक
वक्त दर्शन

कानपुर से प्रकाशित, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पंजाब, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र एवं दिल्ली, मुम्बई, तेलंगाना

वर्षः 18 | अंक :219 | कानपुर, रविवार 6 सितम्बर 2026 | पृष्ठ : 8

चंद्रशेखर कृषक समिति ने मनाया गया 42वां स्थापना दिवस

कुं बृजेंद्र प्रताप सिंह चौहान (राज भैया)

कानपुर नगर, वक्तदर्शन प्रशासनिक कार्यालय गोपाल नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में शनिवार को चंद्रशेखर कृषक समिति का 42वां स्थापना दिवस मनाया गया। कृषक समिति की स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि कृषक हमारा सम्मानित अतिथि है तथा कृषकों का देश की प्रगति में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि किसान अब किसान ही नहीं अपितु कृषि उद्यमी बनें। जिससे वह

स्वावलंबी होकर आत्मनिर्भर बन सकें। डॉ. गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नवीनतम कृषि तकनीक एवं उन्नत बीज विकसित किए हैं। जिससे कृषि उत्पादन एवं क्षेत्रफल में बढ़ोतरी हुई है। कृषक कृषि वैज्ञानिकों के मोबाइल, व्हाट्सएप ग्रुप या व्यक्तिगत मिलकर कृषि तकनीकी अवश्य लें।जिससे रबी फसल में अच्छा उत्पादन हो सके। कुलपति ने उपस्थित कृषक समिति के सदस्यों से कहा कि आप अन्य किसानों के लिए एक मॉडल किसान के रूप में हैं। उन्होंने नवयुवक किसानों को बीज उत्पादन के क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपील की है। जिससे कि वह स्वरोजगार स्थापित कर सकें। कुलपति डॉ गुप्ता ने किसानों से सहफसली व फूलों की खेती करने की सलाह दी। जिससे की एक फसल नष्ट होने से दूसरी फसल से लाभ मिल सके।निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे प्रसार गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉक्टर पी.के. राठी ने किसानों के हित में संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदोरिया एवं ब्लॉक प्रमुख सरसौल डॉक्टर विजय रत्न तोमर द्वारा भी किसानों को संबोधित किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति एवं समिति के अध्यक्ष श्री बाबू सिंह द्वारा कृषि क्षेत्र में विशेष योगदान करने वाले कृषि वैज्ञानिकों को सम्मानित भी किया गया। जिसमें डॉ महक सिंह, डॉक्टर कौशल कुमार,डॉक्टर अखिलेश मिश्रा, डॉ रामजी गुप्ता, डॉक्टर पीके राठी, डॉक्टर उमानाथ शुक्ला, डॉक्टर विनीता सिंह, डॉक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉ विनोद प्रकाश, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर उमेश चंद्र उत्तम,डॉक्टर जितेंद्र कुमार सिंह, डॉक्टर रामसूरत वर्मा एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित 15 वैज्ञानिक सम्मानित किए गए। प्रगतिशील कृषक द्वारा उनकी कृषि क्षेत्र में किए गए नवाचार के लिए श्री अनिल यादव इटावा,श्री समर सिंह भदोरिया सरसौल,श्री जगदीश सिंह उन्नाव,श्री कमल किशोर शिवराजपुर, श्री राजेश त्रिपाठी कानपुर देहात एवं श्री फूल सिंह कानपुर देहात सहित 15 किसानों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गय। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया ने दिया। इस अवसर पर विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रभारी, वैज्ञानिक एवं प्रगतिशील किसानों सहित कृषि विभाग एवं उद्यान विभाग के विभागीय अधिकारी एवं प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

Dainikashwamegh.com Dainik ashwamegh News Dainikashwamegh Dainikashwamegh Dainikashwamegh@gmail.com

आज का विचार

शिक्षाः सच्ची मित्रता और कल्पना हमारे जीवन को सुंदर बनाती है.

दैनिक अश्वमेघ

सत्ययुग का प्रारंभ

पेज-3- अब पंचायतों का बजट तय करेगा विकास का स्तर

वर्ष : 08 , अंक 238 RNI NO.MPHIN/2024/89831 भोपाल, रविवार 06 सितम्बर, 2026 मूल्य 2 रुपये पृष्ट 8

चंद्रशेखर कृषक समिति ने मनाया गया 42वां स्थापना दिवस

बृजेंद्र प्रताप सिंह चौहान (राजी भैया)

कानपुर नगर! प्रशासनिक कार्यालय गोपाल नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में शनिवार को चंद्रशेखर कृषक समिति का 42वां स्थापना दिवस मनाया गया। कृषक समिति की स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि कृषक हमारा सम्मानित अतिथि है तथा कृषकों का देश की प्रगति में बहुत बड़ा योगदान है।

उन्होंने कहा कि किसान अब किसान ही नहीं अपितु कृषि उद्यमी बनें। जिससे वह स्वावलंबी होकर आत्मनिर्भर बन सकें। डॉ. गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नवीनतम कृषि तकनीक एवं उन्नत बीज विकसित किए हैं। जिससे कृषि उत्पादन एवं क्षेत्रफल में बढ़ोतरी हुई है। कृषक कृषि वैज्ञानिकों के मोबाइल, व्हाट्सएप ग्रुप या व्यक्तिगत मिलकर कृषि तकनीकी अवश्य लें।जिससे रबी फसल में अच्छा उत्पादन हो सके। कुलपति ने उपस्थित कृषक समिति के सदस्यों से कहा कि आप अन्य किसानों के लिए एक मॉडल किसान के रूप में हैं। उन्होंने नवयुवक किसानों को बीज उत्पादन के क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपील की है। जिससे कि वह स्वरोजगार स्थापित कर सकें। कुलपति डॉ गुप्ता ने किसानों से सहफसली व फूलों की खेती करने की सलाह दी। जिससे की एक फसल नष्ट होने से दूसरी फसल से लाभ मिल सके। निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे प्रसार गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ पी.के. राठी ने किसानों के हित में संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया एवं ब्लॉक प्रमुख सरसौल डॉ विजय रत्ना तोमर द्वारा भी किसानों को संबोधित किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति एवं समिति के अध्यक्ष बाबू सिंह द्वारा कृषि क्षेत्र में विशेष योगदान करने वाले कृषि वैज्ञानिकों को सम्मानित भी किया गया। जिसमें डॉ महक सिंह, डॉ कौशल कुमार,डॉ अखिलेश मिश्रा, डॉ रामजी गुप्ता, डॉ पीके राठी, डॉ उमानाथ शुक्ला, डॉ विनीता सिंह, डॉ भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉ विनोद प्रकाश, डॉ खलील खान, डॉ उमेश चंद्र उत्तम,डॉ जितेंद्र कुमार सिंह, डॉ रामसूरत वर्मा एवं डॉ निमिषा अवस्थी सहित 15 वैज्ञानिक सम्मानित किए गए। प्रगतिशील कृषक द्वारा उनकी कृषि क्षेत्र में किए गए नवाचार के लिए अनिल यादव इटावा, समर सिंह भदोरिया सरसौल, जगदीश सिंह उन्नाव, कमल किशोर शिवराजपुर, राजेश त्रिपाठी कानपुर देहात एवं फूल सिंह कानपुर देहात सहित 15 किसानों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गय। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया ने दिया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 18 अंक : 68 कानपुर, रविवार 06 सितम्बर 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

चंद्रशेखर कृषक समिति ने मनाया 42वां स्थापना दिवस

कानपुर। सीएसए में लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में शनिवार को चंद्रशेखर कृषक समिति का 42वां स्थापना दिवस मनाया गया। कृषक समिति की स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि कृषक हमारा सम्मानित अतिथि है तथा कृषकों का देश की प्रगति में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि किसान अब किसान ही नहीं अपितु कृषि उद्यमी बनें। जिससे वह स्वावलंबी होकर आत्मनिर्भर बन सकें। डॉ. गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नवीनतम कृषि तकनीक एवं उन्नत बीज विकसित किए हैं। जिससे कृषि उत्पादन एवं क्षेत्रफल में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने उपस्थित किसानों से अपील की है कि रबी फसलों की बुवाई का उचित समय 15 अक्टूबर से 15 नवंबर तक है। उन्होंने कहा कि कृषक कृषि वैज्ञानिकों के मोबाइल, व्हाट्सएप ग्रुप या व्यक्तिगत मिलकर कृषि तकनीकी अवश्य लें ।जिससे रबी फसल में अच्छा उत्पादन हो सके। कुलपति ने उपस्थित कृषक समिति

के सदस्यों से कहा कि आप अन्य किसानों के लिए एक मॉडल किसान के रूप में हैं। उन्होंने नवयुवक किसानों को बीज उत्पादन के क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपील की है। जिससे कि वह स्वरोजगार स्थापित कर सकें। कुलपति डॉ गुप्ता ने किसानों से सहफसली व फूलों की खेती करने की सलाह दी। जिससे की एक फसल नष्ट होने से दूसरी फसल से लाभ मिल सके।

निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे प्रसार गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉक्टर पी.के. राठी ने किसानों के हित में संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विभिन्न विषयों पर समसामयिक जानकारी किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा दी गई है। पूर्व विधायक श्री रघुनंदन सिंह भदोरिया एवं ब्लॉक प्रमुख सरसौल डॉक्टर विजय रत्ना तोमर द्वारा भी किसानों को संबोधित किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति एवं समिति के अध्यक्ष श्री बाबू सिंह द्वारा कृषि क्षेत्र में विशेष योगदान करने वाले कृषि वैज्ञानिकों को सम्मानित भी किया गया। जिसमें डॉ महक सिंह, डॉक्टर कौशल कुमार,डॉक्टर अखिलेश मिश्रा, डॉ रामजी गुप्ता, डॉक्टर पीके राठी, डॉक्टर उमानाथ शुक्ला, डॉक्टर विनीता सिंह, डॉक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉ विनोद प्रकाश, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर उमेश चंद्र उत्तम,डॉक्टर जितेंद्र कुमार सिंह, डॉक्टर रामसूरत वर्मा एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित 15 वैज्ञानिक सम्मानित किए गए। प्रगतिशील कृषक द्वारा उनकी कृषि क्षेत्र में किए गए नवाचार के लिए अनिल यादव इटावा, समर सिंह भदोरिया सरसौल, जगदीश सिंह उन्नाव, कमल किशोर शिवराजपुर, राजेश त्रिपाठी कानपुर देहात एवं फूल सिंह कानपुर देहात सहित 15 किसानों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गय। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया ने दिया। इस अवसर पर विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रभारी, वैज्ञानिक एवं प्रगतिशील किसानों सहित कृषि विभाग एवं उद्यान विभाग के विभागीय अधिकारी एवं प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

Times of India 06/09/2026

Foundation day of Chandrashekhar Krishak Samiti celebrated

Kanpur: The 42nd foundation day of Chandrashekhar Krishak Samiti was celebrated on Saturday at Lal Bahadur Shastri Krishak Sabhagar in the Directorate of Extension at Chandrashekhar Azad Agriculture and Technology University. On the occasion of the foundation day of the Krishak Samiti, the university's vice-chancellor Sanjeev Gupta was present as the chief guest.

He said in his address that farmers should now become not just farmers but also agricultural entrepreneurs, so that they can become self-reliant. He said that the university's scientists have developed latest agricultural technology and improved seeds, due to which agricultural production and cultivated area have increased. Director Extension. V.K. Tripathi gave detailed information about the extension activities being carried out by the university in the interest of farmers. TNN

हिंदुस्तान 06/09/2026

सीएसए में सम्मानित किए गए वैज्ञानिक और प्रगतिशील किसान।

15 कृषि वैज्ञानिकों और 15 किसानों को सम्मानित किया

- सीएसए में चंद्रशेखर कृषक समिति का 42 वां स्थापना दिवस मना
- किसानों के लिए चलाए जा रही योजनाओं के बारे में दी गई जानकारी

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में शनिवार को चंद्रशेखर कृषक समिति का 42 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 15 वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। कृषि क्षेत्र में किए गए नवाचार के लिए 15 प्रगतिशील कृषकों को भी सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कृषि वैज्ञानिकों डॉ महक सिंह, डॉ. कौशल कुमार, डॉ. अखिलेश मिश्रा, डॉ. रामजी गुप्ता, डॉ. पीके राठी, डॉ. उमानाथ शुक्ला, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉ. विनोद प्रकाश, डॉ. खलील खान, डॉ. उमेश चंद्र उत्तम, डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह, डॉ. रामसूरत वर्मा और डॉ. निमिषा अवस्थी सहित 15 को सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि ने कृषि क्षेत्र में किए गए नवाचार के लिए अनिल यादव इटावा, समर सिंह भदौरिया सरसौल, जगदीश सिंह उन्नाव, कमल किशोर शिवराजपुर, राजेश त्रिपाठी कानपुर देहात और फूल सिंह कानपुर देहात सहित 15 किसानों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी ने किसानों के हित में किए जा रहे प्रसार गतिविधियों के बारे में और डॉ. पीके राठी ने किसानों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी।

पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया एवं ब्लॉक प्रमुख सरसौल डॉ. विजय रत्ना तोमरने किसानों को संबोधित किया। धन्यवाद डॉ वीके कनौजिया और संचालन डॉ. जितेंद्र सिंह किया।

चंद्रशेखर कृषक समिति का 42वां स्थापना दिवस समारोह

किसान बनें कृषि उद्यमी, तकनीक अपनाकर बढ़ाएं आमदनी : डॉ. संजीव गुप्ता

दि ग्राम टुडे,
कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय स्थित लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में शनिवार को चंद्रशेखर कृषक समिति का 42वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों तथा प्रगतिशील कृषकों ने सहभागिता की।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि किसान देश का सम्मानित अतिथि ही नहीं, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार है। उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और स्वयं को कृषि उद्यमी के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृषि में नवाचार, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और बाजार से जुड़ाव के माध्यम से किसान अपनी आय बढ़ाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा लगातार नवीनतम कृषि तकनीकों और उन्नत बीजों पर कार्य किया जा रहा है। इन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने से कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि संभव हुई है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि रबी फसलों की बुवाई के लिए 15 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच का समय महत्वपूर्ण है। किसानों को फसल की बुवाई से पहले कृषि वैज्ञानिकों से आवश्यक तकनीकी जानकारी अवश्य प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से मोबाइल, व्हाट्सएप समूह अथवा व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से कृषि संबंधी सलाह ले सकते हैं। वैज्ञानिकों की सलाह के अनुरूप उन्नत बीज, संतुलित उर्वरक, उचित सिंचाई और आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने से रबी फसलों का बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

डॉ. गुप्ता ने चंद्रशेखर कृषक समिति के सदस्यों को मॉडल किसान बताते हुए कहा कि उनके अनुभव और नवाचार आसपास के अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने युवा किसानों को विशेष रूप से बीज उत्पादन के क्षेत्र में आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि बीज उत्पादन को स्वरोजगार और कृषि उद्यम के रूप में अपनाकर युवा किसान अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं।

कुलपति ने किसानों को सहफसली खेती और फूलों की खेती अपनाने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक ही फसल पर निर्भर रहने के बजाय विविध फसलों का उत्पादन करने से जोखिम कम होता है और यदि किसी एक फसल को नुकसान पहुंचता है तो दूसरी फसल से किसान को आर्थिक लाभ मिल सकता है।

कार्यक्रम में निदेशक प्रसार डॉ. वी. के. त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के हित में संचालित की जा रही विभिन्न प्रसार गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं डॉ. पी.के. राठी ने किसानों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कृषि संबंधी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। कृषि वैज्ञानिकों ने भी किसानों को विभिन्न विषयों पर समसामयिक एवं उपयोगी तकनीकी जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री रघुनंदन सिंह भदौरिया तथा ब्लॉक प्रमुख सरसौल डॉ. विजय रत्ना तोमर ने भी किसानों को संबोधित करते हुए आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और कृषि को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने पर जोर दिया। समारोह के दौरान कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 15 कृषि वैज्ञानिकों को मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता एवं कृषक समिति के अध्यक्ष बाबू सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित वैज्ञानिकों में डॉ. महक सिंह, डॉ. कौशल कुमार, डॉ. अखिलेश मिश्रा, डॉ. रामजी गुप्ता, डॉ. पी.के. राठी, डॉ. उमानाथ शुक्ला, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉ. विनोद प्रकाश, डॉ. खलील खान, डॉ. उमेश चंद्र उत्तम, डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह, डॉ. रामसूरत वर्मा एवं डॉ. निमिषा अवस्थी सहित अन्य वैज्ञानिक शामिल रहे।

इसी क्रम में कृषि क्षेत्र में नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले 15 प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया गया। इनमें अनिल यादव इटावा, समर सिंह भदौरिया सरसौल, जगदीश सिंह उन्नाव, कमल किशोर शिवराजपुर, राजेश त्रिपाठी कानपुर देहात एवं फूल सिंह कानपुर देहात सहित अन्य किसान शामिल रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया, जबकि अंत में डॉ. वी. के. कनौजिया ने सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रभारी, कृषि वैज्ञानिक, कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

दैनिक जागरण 06/09/2026

किसान उत्पादक के साथ बनें उद्यमी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ें : कुलपति

जागरण संवाददाता, कानपुर : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के प्रसार निदेशालय स्थित लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में शनिवार को चन्द्रशेखर कृषक समिति का 42वां स्थापना दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने कहा कि किसान अब केवल उत्पादक नहीं, बल्कि कृषि उद्यमी बनकर स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनें। नई कृषि तकनीक और उन्नत बीज अपनाकर उत्पादन व आय बढ़ाई जा सकती है।

निदेशक प्रसार डा. पीके त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय की प्रसार गतिविधियों और डा. पीके राठी ने किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी। पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया और ब्लाक प्रमुख डा. विजय रत्ना तोमर ने भी विचार रखे। समारोह में कृषि क्षेत्र में योगदान के लिए 15 विज्ञानियों व 15 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया।

कृषक समिति के स्थापना दिवस पर संबोधित करते कुलपति डा. संजीव गुप्ता • सीएसए

ताकि वे बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकें। भारत की बड़ी आबादी शाकाहारी है, इसलिए दलहन पोषण सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार हैं। उत्पादकता, गुणवत्ता, पोषण मूल्य और जलवायु अनुकूलता बढ़ाने के लिए अनुसंधान को गति देने की जरूरत है।

संस्थान के निदेशक डा. जीपी दीक्षित ने कहा कि किसानों की जरूरत के अनुसार कम लागत वाली व टिकाऊ कृषि तकनीकों के विकास के साथ गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने पर काम कर रहा है। मिनी दाल मिल व अन्य प्रसंस्करण तकनीकों को उन्नत किया है, जिससे किसानों को मूल्य संवर्धन का लाभ मिल सके। संस्थान के पांच नवीन प्रकाशनों का विमोचन हुआ। इनमें उर्दबीन व अरहर की उन्नत प्रजातियों, पीली मोजेक रोग प्रबंधन, खरीफ दलहन उत्पादन व रोग परीक्षण प्रकाशन शामिल हैं।